PENGUIN SERIES

सी०बी०एस०ई० की नवीन शिक्षा पद्धति पर आधारित एवं
एन०सी०ई०आर०टी० द्वारा निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार

कदंब

हिंदी की पाठ्य-पुस्तक

4

लेखक
सुशील कुमार सिंघल
एम०ए०, एम०कॉम०,
बी०एड, नेट

प्रकाशक :

PETERSON PRESS

(A unit of Naman Publishing (INDIA)

सिल्वर लाईन स्कूल के पीछे,
लक्ष्मीपुरम, राजपुर चुँगी, आगरा

नवीन संस्करण : 2016

लेखक :
सुशील कुमार सिंघल

संपादन एवं सहयोग :
प्रीति सिंघल

परामर्शदाता :
किशोर कुमार अग्रवाल

शब्द-संयोजन, कला एवं चित्रांकन :

वैधानिक चेतावनी :

- प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी-मशीनी फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी विधि से पुन: प्रयोग द्वारा इसका संग्रहण अथवा प्रसारण पूर्णतया वर्जित है।
- यद्यपि इस पुस्तक को शुद्ध एवं त्रुटिरहित प्रस्तुत करने का यथासंभव प्रयास किया गया है, तथापि इसमें अनपेक्षित कमी, त्रुटि, अभाव अथवा तद्जनित्त क्षति या हानि के लिए लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई भी उत्तरदायित्व न होगा।
- पुस्तक में रह गई तथ्यात्मक त्रुटियों या अन्य किसी भी कमी के लिए विद्वत्तजनों के विचार और सुझाव सादर आमंत्रित हैं। त्रुटियों का परिमार्जन एवं प्राप्त विचारों और सुझावों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जाएगा।
- पुस्तक की जिल्दसाजी होने में गलतियाँ या कुछ पृष्ठों की गलत छपाई या कुछ पृष्ठों के न होने की दशा में प्रकाशक का उत्तरदायित्व केवल इतना है कि पुस्तक को खरीदने की तिथि से एक माह के अंदर इसी संस्करण की अन्य पुस्तक से खरीदी गई पुस्तक को बदल दिया जाएगा। इस संदर्भ में किए गए सभी खर्चों को ख़रीदार वहन करेगा।
- पुस्तक संबंधी सभी विवाद केवल **आगरा न्यायालय** के अधिकार क्षेत्र में विचाराधीन होंगे।

–प्रकाशक

दो शब्द

हिंदी पाठ्यपुस्तक श्रृंखला **कदंब** का निर्माण नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन०सी०ई०आर०टी०) द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम के आधार पर किया गया है।

आज के बदलते परिवेश, बच्चों की आयु, रुचि एवं क्षमता को ध्यान में रखकर ही पाठों का चयन किया गया है, जो उनके आयु वर्ग और मानसिक स्तर के अनुकूल है। सरल से जटिल को दृष्टिगत रखकर पाठों का क्रम-निर्धारण किया गया है। इस श्रृंखला के निर्माण में हमारा यह उद्देश्य भी रहा है कि सामग्री ऐसी हो जो बाल केंद्रित हो, उनके सर्वांगीण विकास करने में समर्थ हो।

भाषा और व्याकरण के जटिल नियमों को बोझिल शब्दावली में नहीं, बल्कि सरल और रोचक शब्दों में बच्चों तक पहुँचाने का प्रयास रहा है, जिससे कि बच्चे खेल-खेल में खूब उत्साहित होकर इन्हें सीखें।

पाठ्य-सामग्री में कविता, कहानी, निबंध, संवाद, पत्र, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, प्रेरक-प्रसंग आदि अनेक विधाओं का समावेश किया गया है, ताकि बच्चे इन विधाओं से परिचित हो सकें। भारतीय संस्कृति और इतिहास से जुड़ी कथाएँ, त्योहार, शिक्षाप्रद कहानियाँ, जीव-जंतुओं का संसार, शौर्य-गाथा, साहस कथा, पर्यावरण और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले विषयों का समावेश पुस्तक की विशेषता है। हमारा उद्देश्य यह है कि बच्चों के ज्ञान एवं दृष्टिकोण का विस्तार हो, वे राष्ट्र, समाज और अपनी संस्कृति के प्रति निष्ठावान बनें तथा प्रारंभ से ही उनके भीतर सकारात्मक मूल्यों का विकास हो सके।

पाठ्यपुस्तक के पाठ निम्नलिखित प्रकार के अभ्यासों से सुसज्जित हैं–

- पाठ से संबंधित अर्थ बोध तथा चिंतन संबंधी प्रश्न।
- भाषा का प्रयोगात्मक रूप तथा व्यावहारिक व्याकरण।
- रचनात्मक कौशल, जैसे–कविता, कहानी, पत्र, अनुच्छेद आदि लिखने के अभ्यास।
- रचनात्मक गतिविधियाँ; जैसे–रंग भरना, चित्र, मुखौटे आदि बनाना।
- उच्च बौद्धिक स्तरीय कौशल (HOTS), मूल्यपरक प्रश्न (VBQ), जीवन कौशल (Life Skill) आदि।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत श्रृंखला पाठकों को पसंद आएगी। इसे और अधिक उपयोगी बनाने हेतु सभी विद्वानों एवं अध्यापकबंधुओं के सुझाव अपेक्षित हैं।

—लेखक एवं प्रकाशक

पाठ-क्रम

1.	हिमालय	5
2.	दयालु राजा	9
3.	वासदेव श्रीकृष्ण	16
4.	हमारा तिरंगा	21
	हमारे राष्ट्रीय प्रतीक	25
❖	अभ्यास प्रश्न-पत्र–1	27
5.	नींद का करिश्मा	28
6.	काला हिरन	34
	बताओ तो जानें	42
7.	कुत्ते की सीख	43
8.	बोलने वाली गुफा	49
	शेखचिल्ली और नत्थन	55
❖	अभ्यास प्रश्न-पत्र–2	57
❖	अर्द्धवार्षिक परीक्षा प्रश्न-पत्र	58
9.	हरा-भरा हरियाणा	60
10.	एवरेस्ट से मेरी भेंट	67
11.	कबीर के दोहे	75
12.	महान वीरांगनाएँ	80
	पं० नेहरू : बचपन से प्रधानमंत्री तक	88
❖	अभ्यास प्रश्न-पत्र–3	89
13.	तोताराम	90
14.	छठ पूजा	101
15.	परीलोक	107
16.	आइज़क न्यूटन	111
17.	घमंडी का सिर नीचा	117
	हँसो-हँसाओ	124
	पेचर क्राफ्ट	125
❖	प्रतिपादन प्रश्न-पत्र (PSA)	126
❖	वार्षिक परीक्षा प्रश्न-पत्र	127